

२५.३.२५

पञ्जाबी प्रभुदत्त। पकील पद्मकांत इफ्त। कसि
 वासी ने प्रारूप ०७२॥ एवं लपटित चाप
 १५१७८ का अवाक पेस न कद लीची कद
 काठी चाणी कद जग पज सुगी गडी प्राची प्रिन्सि
 डाप प्रभुदत्त प्रारूप ०७२॥ डाग निवेदन कि
 अथ या कि वासी की कोट से चाप ७५५१७५
 के प्राचयानों के तहत उमर वास पज प्रभुदत्त
 का विवाहित अथि के लक्ष्य से लपटित का
 अनुलोच पाथ है प्रलिपरी उमर अथि अथि का
 खालेदार इफ्त है तथा वासी को राजा कास्ट
 कश्चिन्क के तहत वाडिर अनुलोच प्राट कद
 के लिए कोरे विचित्र कश्चिन्क हकिल गरी है
 ना ही चाप ७२५१७५ के तहत वासी का ७५५
 मानवीय न्यापालप के प्रावनाधिकार एवं क्षेत्राधिकार
 में कश्चिन्क है। तथा वास को निम्न प्राधिकार
 निवेदन कि

पञ्जाबी का अर्थलोक किम गदग। कद
 प्रां पज ०७२॥ पर मग किम गदग इडि
 वास-पज कश्चिन्क चाप -७२५ के तहत पेस
 किम गदग है वासी डाप प्राथ गग इन्कालामा
 के काचार पा अनुलोच न्यापालप के क्षेत्राधिकार
 से काहर होने एवं विधि डाप कश्चित होने के
 प्रां पज ०७२॥ एवं लपटित चाप १५१७८
 लीका किम आकट वास-वासी इमी लग प
 खालि किम आक है पञ्जाबी निपतानुकार
 दाजिल दम्बर होम सं. से कद है।

(पवन कुमार)
 उपखण्ड अधिकारी
 अनूपगढ़